

7

बहू और बिल्ली

लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. सेठ जी के घर में कौन-सा पालतू पशु था?

✓ बिल्ली

ख. नौकरानी का नाम क्या था?

✓ कमला

2. किसने कहा, किससे कहा—

क. क्यों बिल्ली के पीछे पड़ी हो, जाओ अपना काम करो।

किसने कहा

“सेठानी ने”

किससे कहा

“बहू से”

ख. गजब हो गया। बहू ने बिल्ली को मार दिया।

“नौकरानी ने”

“सेठानी से”

ग. अब जा पंडित जी को बुला ला।

“सेठानी ने”

“नौकरानी से”

घ. एक तोले की बिल्ली से काम नहीं चलेगा।

“सेठानी ने”

“पंडित जी से”

3. कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—

क. बहू के साथ घर में कैसा व्यवहार किया जाता था?

उ. “घर के सभी सदस्य बहू से बहुत प्यार करते थे।”

ख. बहू के घर आते ही सेठानी जी ने क्या किया?

उ. “बहू के घर आते ही सेठानी जी ने सारी ज़िम्मेदारी बहू को सौंप दी।”

ग. बहू घर में किससे सबसे ज़्यादा चिढ़ती थी?

उ. “बहू घर में बिल्ली से सबसे ज़्यादा चिढ़ती थी।”

घ. पाठ में कितने तौले की बिल्ली बनवाने की बात तय हुई?

उ. “पाठ में ग्यारह तोले की बिल्ली बनवाने की बात तय हुई।”

4. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. रूपा ने क्या सोचकर पिंजरे में दूध-मलाई रखी और उसका क्या परिणाम हुआ?

उ. रूपा ने सोचा कि दूध-मलाई के लालच में बिल्ली पिंजरे फँस जाएगी, परंतु बिल्ली बहुत चालाक थी। वह पिंजरे में गई ही नहीं।

ख. बहू बिल्ली को मारने के बाद सिर झुकाए क्यों खड़ी थी?

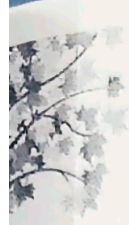
उ. बहू बिल्ली को मारने के बाद सिर झुकाए इसलिए खड़ी थी क्योंकि उसे बिल्ली के मरने का दुःख था।

ग. पंडित जी ने बिल्ली की हत्या का क्या समाधान बताया और क्यों?

उ. पंडित जी ने समाधान के लिए ग्यारह तोले सोने की बिल्ली का दान और पूजन करने की बात कही। इस प्रकार वे सेठानी के अंधविश्वास का लाभ उठाना चाहते थे।

घ. बिल्ली के उठकर भागने पर कौन-कौन खुश हुआ और कौन दुःखी? कारण सहित लिखिए।

उ. बिल्ली के उठकर भागने पर घर के सभी सदस्य खुश हो गए क्योंकि उनके हजारों रुपये खर्च होने से बच गए। परंतु पंडित जी दुःखी हुए क्योंकि हजारों रुपये की कमाई होने का अवसर उनके हाथ से निकल गया।



8

फूल और काँटा

लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. कौन वस्त्र फाड़ देता है ?

✓ काँटा

ख. फूल भौरे को क्या पिलाता है ?

✓ रस

2. सही पंक्ति द्वारा रिक्त स्थान भरिए—

क. हैं जनम लेते जगह में एक ही,
...एक ही पौधा उन्हें है पालता।...
रात में उनपर चमकता चाँद भी,
...एक ही सी चाँदनी है डालता।...

ख. ...छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर वसन।
...प्यार-डूबी तितलियों के पर कतर,
भौर का है बेध देता श्याम तन॥

3. कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—

क. प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक-सा व्यवहार करती है—स्पष्ट कीजिए।

उ. फूल और काँटे एक ही स्थान पर पलते हैं, जहाँ उन्हें प्रकृति के सभी सुख समान रूप से मिलते हैं। इस आधार पर कहा जाता है कि प्रकृति फूल और काँटे के साथ एक-सा व्यवहार करती है।

ख. फूल और काँटे के स्वभाव में क्या अंतर होता है ?

उ. फूल और काँटे के स्वभाव में बहुत अंतर होता है। फूल सबको खुशियाँ देता है, परंतु काँटा दुख पहुँचाता है।

ग. काँटा सबकी आँख में क्यों खटकता है ?

उ. काँटा सबकी आँख में इसलिए खटकता है क्योंकि जो भी उसके पास आता है उसे दुख ही मिलता है।

घ. तितली और भौरों को फूल-काँटे में से कौन अच्छा लगता है और क्यों ?

उ. तितली और भौरों को फूल-काँटे में से फूल अच्छा लगता है क्योंकि वह उन्हें सहारा देता है और अपना मीठा रस पिलाता है।

ङ. कविता का भाव लिखिए।

उ. कविता का भाव यह है कि मनुष्य की पहचान उसके ऊँचे कुल या परिवार से नहीं बनती बल्कि उसके कर्मों तथा गुणों से बनती है। मनुष्य अपने अच्छे कर्मों से ही सम्मान प्राप्त करता है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए—

फूल लेकर की खिला ॥

उ. प्रस्तुत पंक्तियों का भाव यह है कि जिस प्रकार फूलों के पास जाकर तितलियों और भौरों को सुख मिलता है, उसी प्रकार सज्जनों के पास जाकर लोगों को सुख की प्राप्ति होती है। सज्जन अपने गुणों से सबको प्रसन्न करते हैं।

समझिए व्याकरण संबोध

1. पर्यायवाची लिखिए—

रात	—	...निशा...	रात्रि.....
मेह	—	...बारिश...	...वर्षा...
वसन	—	...कपड़ा...	...वस्त्र...
पर	—	...पंख...	...डैना...
फूल	—	...पुष्प...	...सुमन...

चाँद	—	...चंद्रमा...	...शशि...
हवा	—	...वायु...	...पवन...
प्यार	—	...प्रेम...	...प्रीति...
तन	—	...शरीर...	...बदन...
सुगंध	—	...खुशबू...	...सुवास...